

---

chandrAShTAviMshatinAmastotram

——  
चन्द्राष्टाविंशतिनामस्तोत्रम्

——  
Document Information



---

Text title : chandrAShTAviMshatinAmastotram

File name : chandra28.itx

Category : navagraha, stotra, viMshati

Location : doc\_z\_misc\_navagraha

Author : Traditional

Transliterated by : Ravin Bhalekar ravibhalekar at hotmail.com

Proofread by : Ravin Bhalekar, Kirk Wortman kirkwort at hotmail.com

Latest update : November 11, 2018

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

December 22, 2023

*sanskritdocuments.org*

---



——  
**चन्द्राष्टाविंशतिनामस्तोत्रम्**  
——

श्रीगणेशाय नमः ।

अस्य श्रीचन्द्राष्टाविंशतिनामस्तोत्रस्य गौतम ऋषिः,  
सोमो देवता, विराट् छन्दः, चन्द्रप्रीत्यर्थे जपे विनियोगः ॥

चन्द्रस्य शृणु नामानि शुभदानि महीपते ।

यानि श्रुत्वा नरो दुःखान्मुच्यते नात्र संशयः ॥ १ ॥

सुधाकरश्च सोमश्च ग्लौरब्जः कुमुदप्रियः ।

लोकप्रियः शुभ्रभानुश्चन्द्रमा रोहिणीपतिः ॥ २ ॥

शशी हिमकरो राजा द्विजराजो निशाकरः ।

आत्रेय इन्दुः शीतांशुरोषधीशः कलानिधिः ॥ ३ ॥

जैवातृको रमाभ्राता क्षीरोदार्षवसम्भवः ।

नक्षत्रनायकः शम्भुशिरश्चूडामणिर्विभुः ॥ ४ ॥

तापहर्ता नभोदीपो नामान्येतानि यः पठेत् ।

प्रत्यहं भक्तिसंयुक्तस्तस्य पीडा विनश्यति ॥ ५ ॥

तद्दिने च पठेद्यस्तु लभेत्सर्वं समीहितम् ।

ग्रहादीनां च सर्वेषां भवेच्चन्द्रबलं सदा ॥ ६ ॥


॥ इति श्रीचन्द्राष्टाविंशतिनामस्तोत्रं सम्पूर्णम् ॥

Encoded by Ravin Bhalekar ravibhalekar at hotmail.com

Proofread by Ravin Bhalekar, Kirk Wortman kirkwort at hotmail.com

---

pdf was typeset on December 22, 2023

——  
Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

